RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

» ARJUN BATCH «

कक्षा-12 | राजनीति विज्ञान

दो ध्रुवीयता का अंत

CHAPTER 01 | PART 04

LIVE 27 AUG 6 PM



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

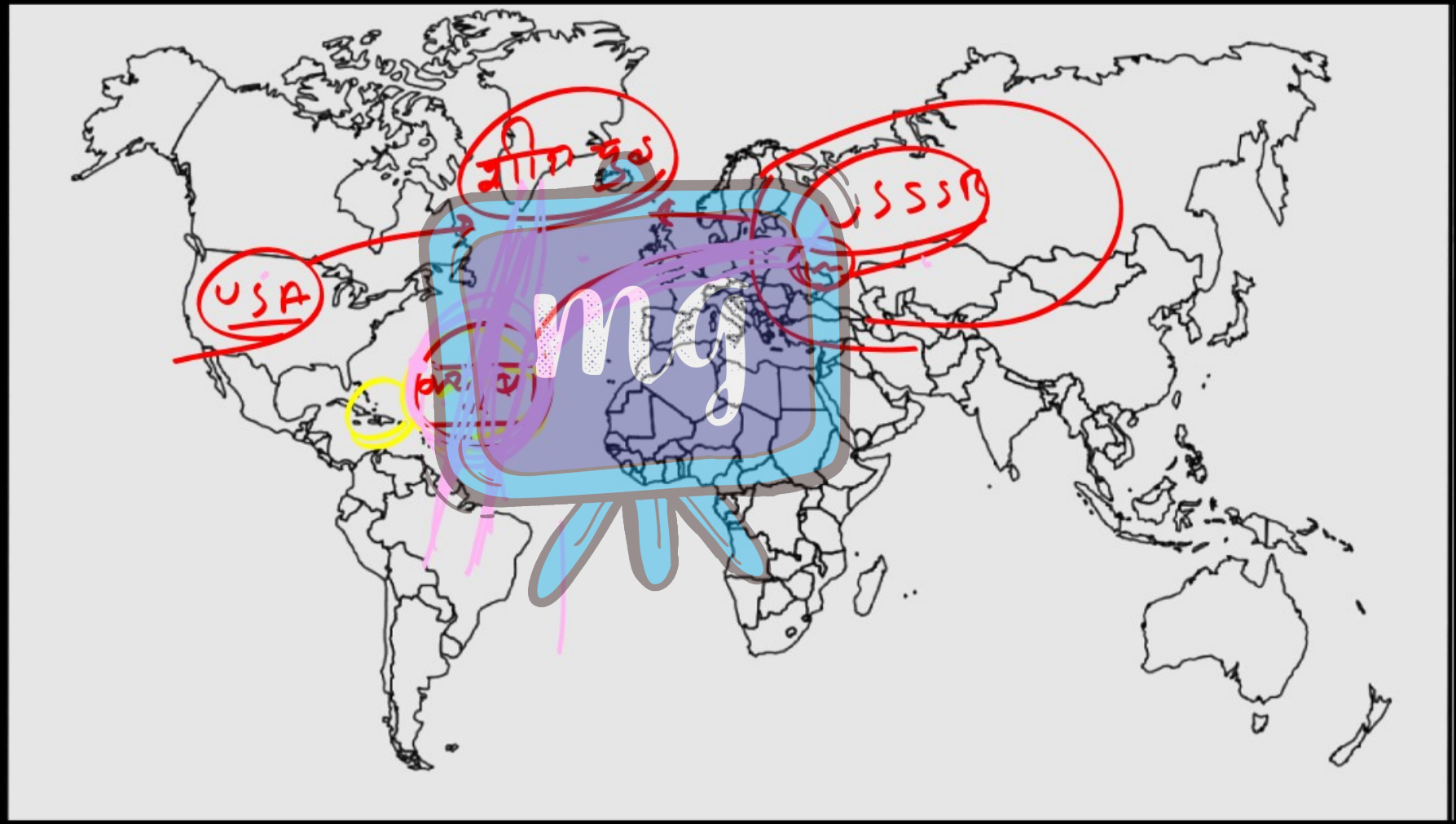
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

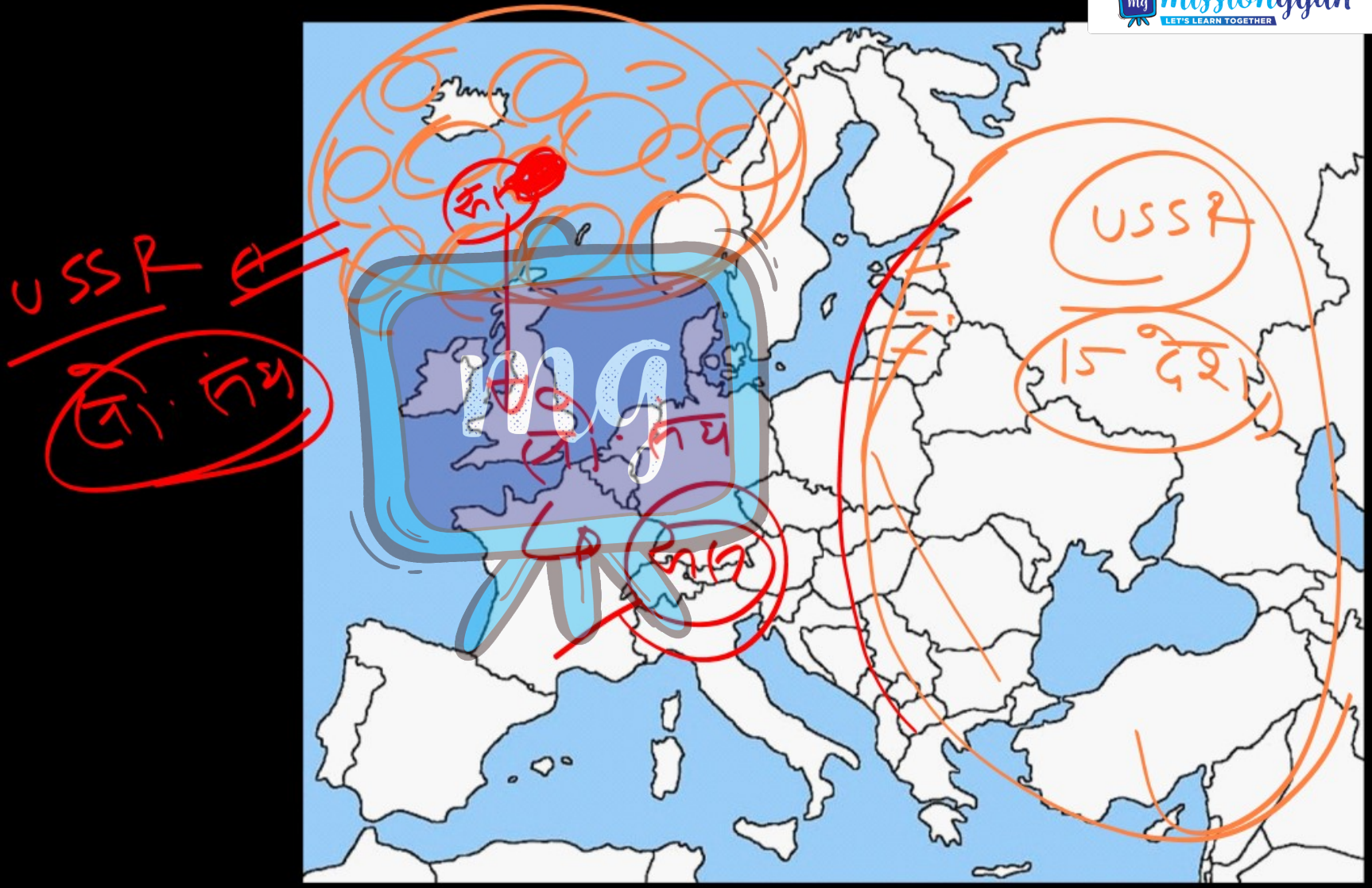
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

सोवियत प्रणाली की कमजोरियाँ




USA
USSR


USSR
15 देश

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सो. प्रणाली की प्रमुख चुनौतियां/समस्याएं

सो. प्रणाली की प्रमुख चुनौतियों को स्पष्ट?

1. राजनीतिक संकट
2. आर्थिक संकट
3. रूस का प्रभुत्व
4. अफगानिस्तान में हस्तक्षेप

1989 में पोलैंड में आर्थिक संकट

सोवियत संघ की अधिकांश संस्थाओं में सुधार की जरूरत

समस्याएं

- नौकरशाही का कसता शिकंजा
  - प्रणाली सत्तावादी हो गयी।
    - लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी नहीं
- हथियारों की होड़
  - अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई
    - उपभोक्ता वस्तुओं की कमी
    - प्रौद्योगिकी पिछड़ी
    - नागरिकों की आकांक्षाओं की पूर्ति में असफलता
- 15 गणराज्यों को मिलकर बना सोवियत संघ
  - रूस का हर मामले प्रभुत्व
    - अन्य क्षेत्रों की जनता उपेक्षित व दमित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(4) लोकतंत्र की स्थापना

राजनीतिक संकट

(1) एक दलीय शासन → कम्युनिस्ट पार्टी का सभी संस्थाओं पर नियंत्रण → सोवियत प्रणाली समाजवादी

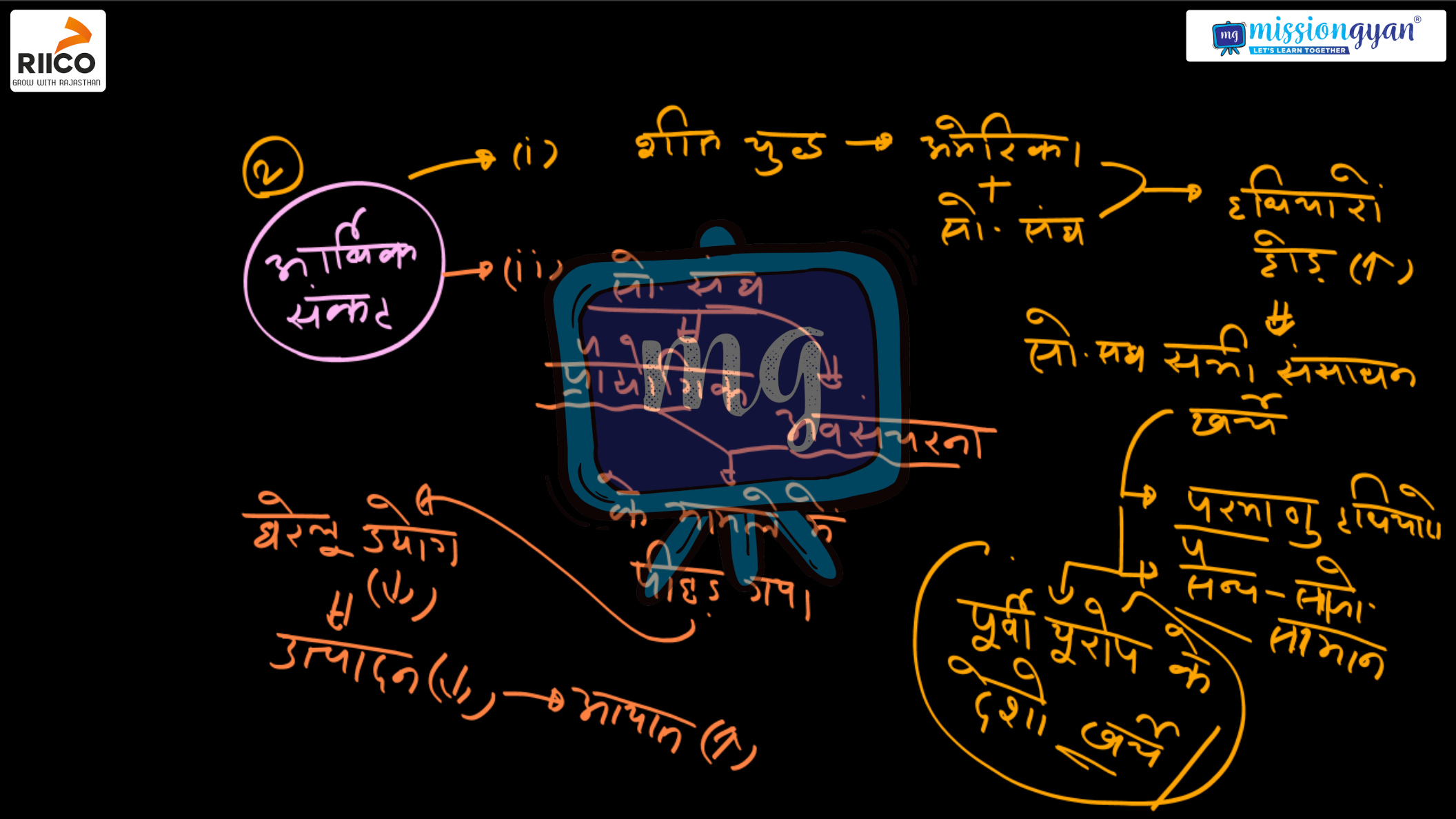
(2) लोकतांत्रिक प्रभाव का अभाव

(3) केंद्रीकृत व्यवस्था → सरकार जनता के प्रति जवाबदेह नहीं थी → जनता अलग-थलग

(5) लोकतंत्र व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अभाव

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

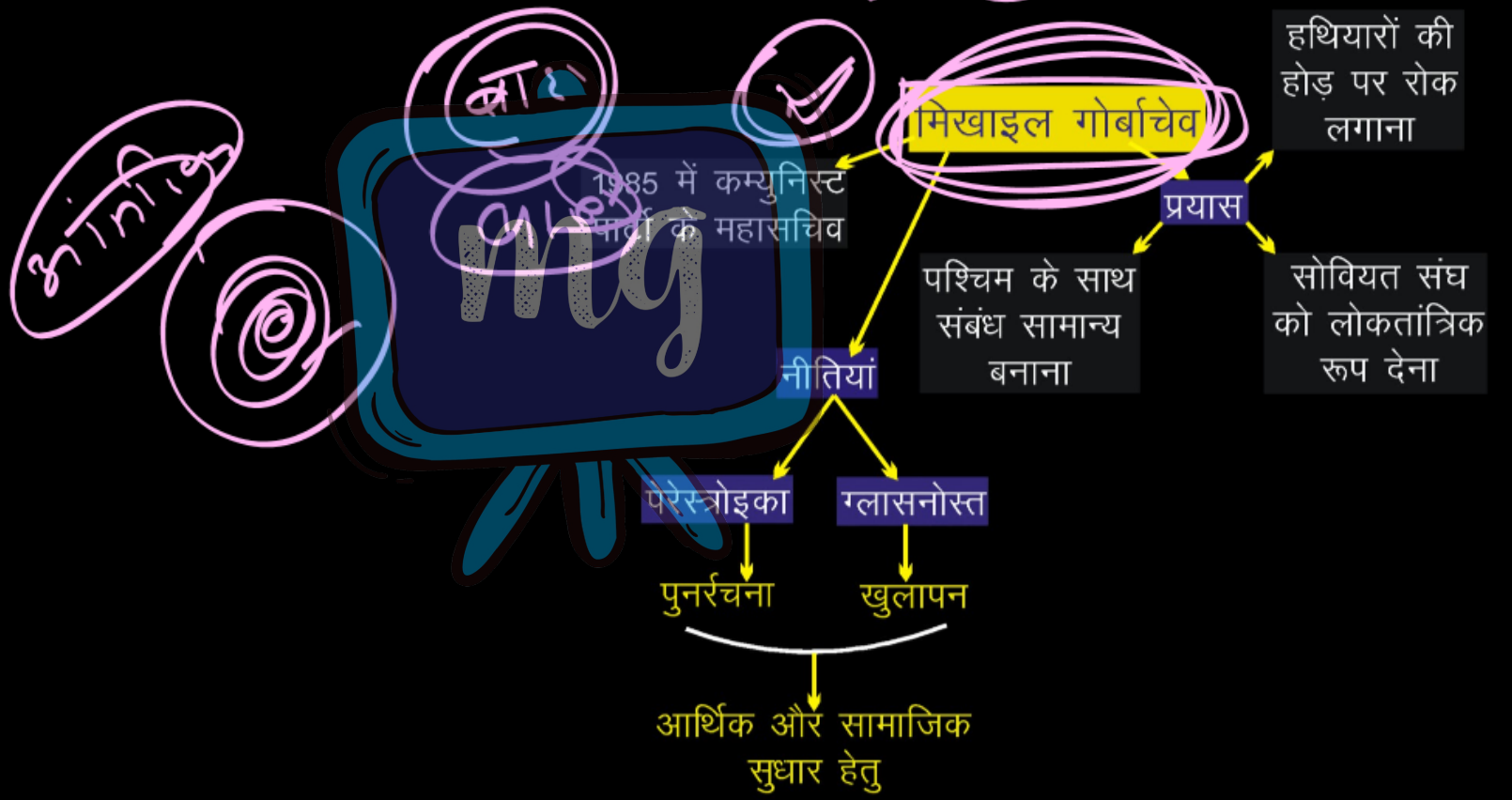
mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

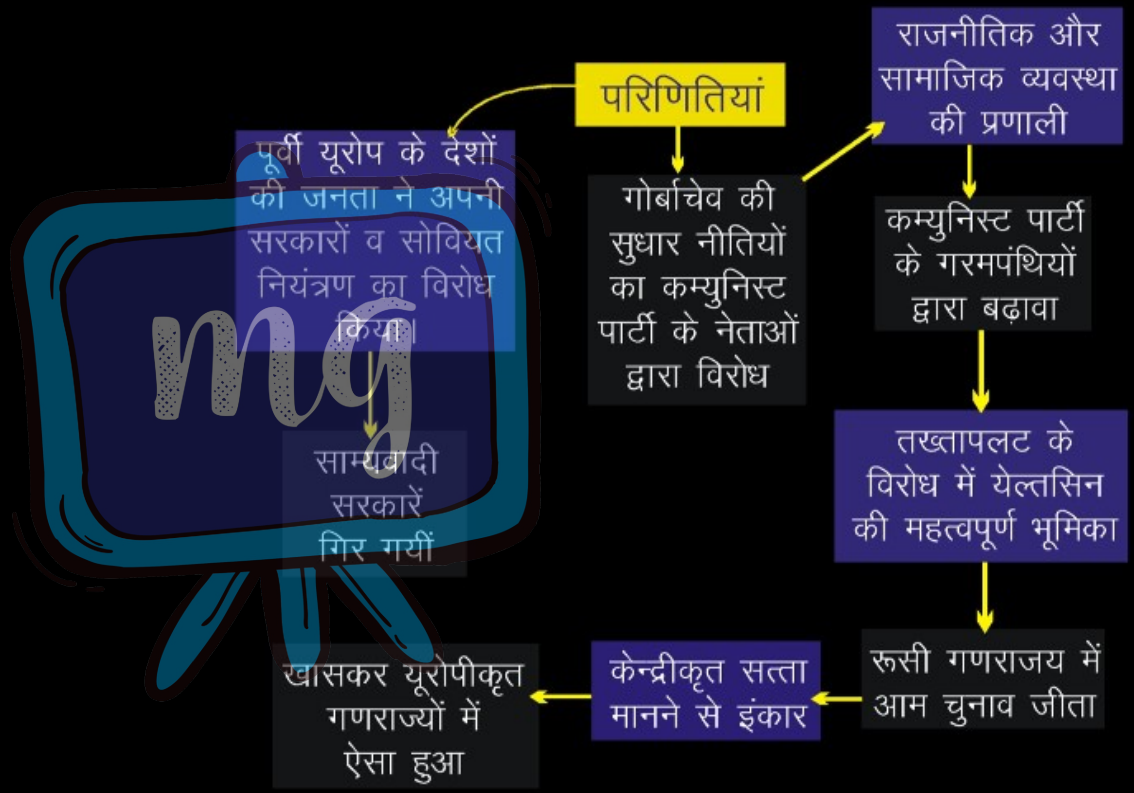
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कुछ कदम समाधान की ओर

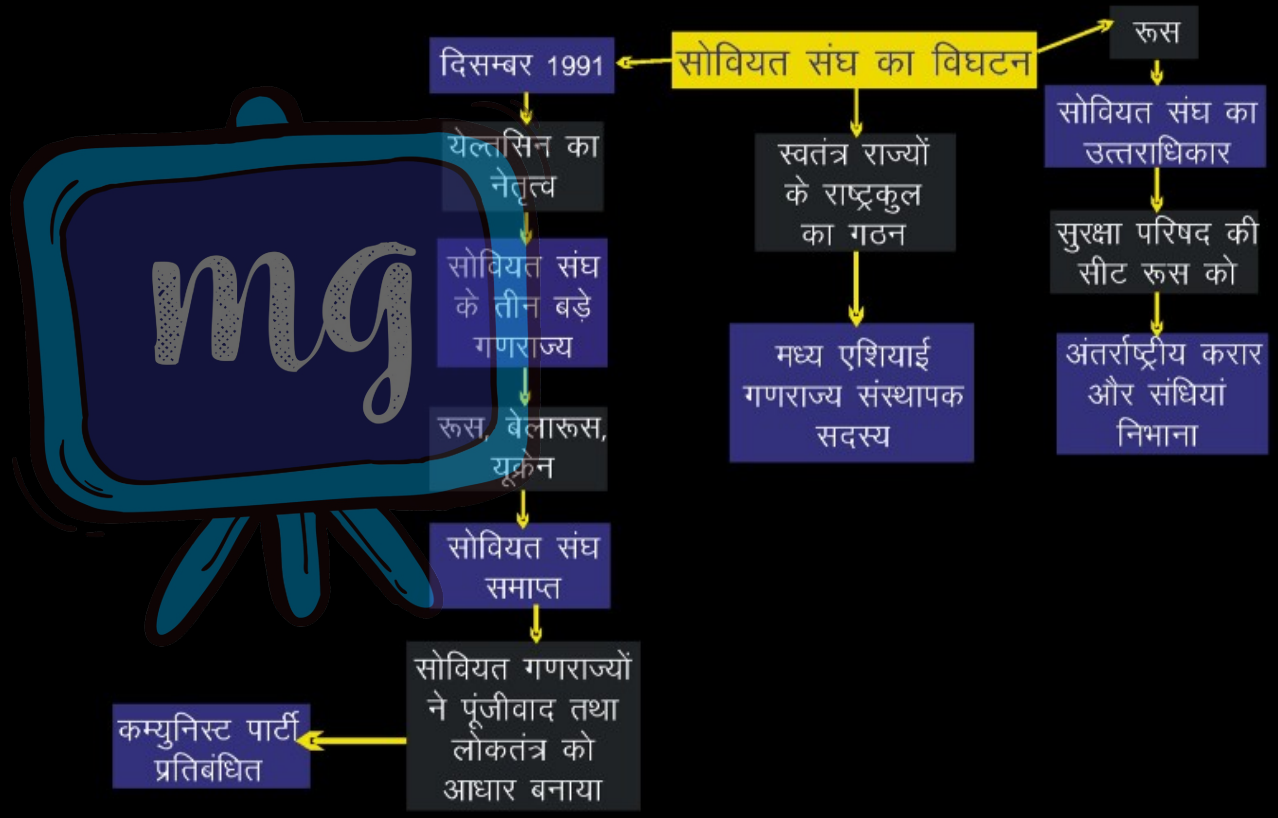


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



'मध्य एशियाई' गणराज्यों ने अपने लिए स्वतंत्रता की मांग नहीं की, वे सोवियत संघ के साथ ही रहना चाहते थे।


सोवियत संघ का विघटन
दिसम्बर 1991
येल्तसिन का नेतृत्व
सोवियत संघ के तीन बड़े गणराज्य
रूस, बेलारूस, यूक्रेन
सोवियत संघ समाप्त
सोवियत गणराज्यों ने पूंजीवाद तथा लोकतंत्र को आधार बनाया
कम्युनिस्ट पार्टी प्रतिबंधित
स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल का गठन
मध्य एशियाई गणराज्य संस्थापक सदस्य
रूस
सोवियत संघ का उत्तराधिकार
सुरक्षा परिषद की सीट रूस को
अंतर्राष्ट्रीय करार और संधियां निभाना